Date – 27/08/2020

Dr. Sanehlata
Asst. Professor (Guest faculty)
Dept. of Philosophy
Women's College, Samastipur
Email Id. – Snehababli 1987 @ gmail.com
Cont. no. – 8409587640

Class – B.A. – I (Hons.)

Topic – Spinoza : Substance theory.

Scanned with CamScanner

द्रव्य (Substance) = ईश्वर = प्रकृति

द्रव्य विचार स्पिनोजा के दर्शन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण विचार है। स्पिनोजा के अनुसार "द्रव्य वह है जो अपने में ही निहित है और जिसके चिन्तन के लिए किसी अन्य वस्तु के चिन्तन की अपेक्षा न हो।"

स्पिनोजा द्वारा दी गई द्रव्य की इस परिभाषा से द्रव्य के निम्न लक्षण निकलते हैं —

(i) द्रव्य स्वतंत्र है। वह अपनी सत्ता या ज्ञान के लिए किसी अन्य पर निर्भर नहीं है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ न तो स्वच्छता है और न ही किसी बाह्य नियम द्वारा निर्धारित होना है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ आत्मनिर्धारण है। यहाँ आत्मनिर्धारण का अर्थ है कि द्रव्य का जो भी तार्किक स्वरूप है, उस तार्किक स्वरूप के अनुसार क्रियाएं होती रहती हैं। इस रूप में यहाँ स्वतंत्रता का अर्थ अनिवार्यता भी हो जाता है।

Scanned with CamScanner

(ii) द्रव्य निरपेक्ष है। यह अपनी सत्ता या ज्ञान के लिए किसी अन्य की अपेक्षा नहीं रखता।

(iii) द्रव्य पूर्ण है। यदि द्रव्य को अपूर्ण माना जाए तो फिर द्रव्य की स्वतंत्रता और निरपेक्षता खण्डित होगी।

(iv) द्रव्य अद्वितीय (Non-dual) है। यदि द्रव्य को एक से अधिक माना जाए तो उसकी स्वतंत्रता एवं निरपेक्षता पर आघात होगा।

(v) द्रव्य अपरिमित (Infinite) है। अर्थात् वह न तो सीमित है और न किसी पर आश्रित।

(vi) द्रव्य स्वतः सिद्ध (Self-proved) और स्वयं प्रकाशित (Self revealed) है।

(vii) द्रव्य अनंत विस्तार एवं अनंत विचार दोनों है। इस रूप में द्रव्य एक साथ भौतिक एवं मानसिक भी है।

(viii) द्रव्य स्वयंभू (Self caused) है। द्रव्य स्वयं अपना कारण है। वह सबका कारण है परन्तु उसका कोई कारण नहीं है।

(ix) द्रव्य नित्य (External) है। वह अनादि एवं अनन्त है।

द्रव्य निर्गुण एवं अवर्णनीय है। यहाँ निर्गुण का तात्पर्य गुणों के अभाव से नहीं है। द्रव्य के भीतर अनन्त गुण हैं और वे सभी गुणों की पराकाष्ठा को इंगित करते हैं। अतः निर्गुण का वास्तविक अर्थ गुणों के अभाव से नहीं है अपितु द्रव्य में सीमित गुणों के अभाव से है।

निर्गुण होने के कारण द्रव्य अवर्णनीय है। वाणी द्वारा ऐसे असीमित गुण का विवेचन संभव नहीं है। स्पिनोजा के अनुसार प्रत्येक गुण निषेधात्मक होता है। द्रव्य पर यदि किसी गुण का आरोपण किया जाए तो वह उसे अनेक गुणों से सीमित कर देगा। अतः द्रव्य में निर्धारण (Determination)

Scanned with CamScanner

सम्भव नहीं है। उनके शब्दों में सभी निर्धारण निषेध है। (every Determination is negation)

उपरोक्त प्रकार के लक्षणों से युक्त द्रव्य ईश्वर ही हो सकता है। इसलिए स्पिनोजा अपने द्रव्य को ईश्वर की संज्ञा देते हैं।

Scanned with CamScanner